राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 अंक – 196 जौनपुर बुधवार, 05 मार्च 2025 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

कामाख्या धाम महोत्सव में कल उद्घाटन के दिन शिरकत करेंगी अपर्णा यादव

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। मां कामाख्या धाम महोत्सव का आगाज कल से, 6 मार्च से 12 मार्च तक होगा सात दिवसीय मां कामाख्या धाम महोत्सव का आयोजन, कल उद्घाटन के दिन राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव दुरदुरिया कार्यक्रम में शरीक होगी । कल ही भोजपुरी के सुपरस्टार गायक अभिनेता पवन सिंह भी अपना जलवा बिखेरेंगे , महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता कवि सम्मेलन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव महोत्सव का आयोजन कराएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर में वंतारा पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया

गुजरात, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर थे। वंतारा 2,000 से अधिक प्रजातियों और 1.5 लाख से अधिक बचाए गए, लुप्तप्राय और संकटग्रस्त जानवरों का घर है। पीएम ने वहां पुनर्वासित किए गए जानवरों की विभिन्न प्रजातियों के साथ निकटता से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने वंतारा में वन्यजीव अस्पताल का भी दौरा किया, जिसमें एमआरआई, सीटी स्कैन और आईसीयू सहित विभिन्न सुविधाएं हैं। अस्पताल में वाइल्डलाइफ एनेस्थीसिया, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, एंडोस्कोपी, दंत चिकित्सा, आंतरिक चिकित्सा आदि सहित कई विभाग हैं। मोदी ने अस्पताल में एमआरआई कक्ष का

भी दौरा किया और एक एशियाई शेर को एमआरआई कराते हुए देखा। उन्होंने ऑपरेशन थिएटर का भी दौरा किया जहां राजमार्ग पर एक कार से टकराने के बाद एक तेंदुए की जीवनरक्षक सर्जरी की जा रही थी और बचाव के बाद उसे यहां लाया गया था। प्रधानमंत्री को एशियाई शेर शावकों और सफेद शेर शावकों सहित विभिन्न प्रजातियों को खाना खिलाते और खेलते हुए भी देखा गया। जिस सफेद शेर के शावक को पीएम मोदी ने दूध पिलाया था, उसका जन्म केंद्र में तब हुआ था जब उसकी मां को बचाया गया था और देखभाल के लिए वंतारा लाया गया था। पीएम मोदी शेर के साथ हाई फाइव करते भी नजर आए। वंतारा में क्लाउडेड लेपर्ड शावक और कैराकल सहित विभिन्न लुप्तप्राय प्रजातियाँ हैं। वंतारा में, कैराकल को उनके संरक्षण के लिए प्रजनन कार्यक्रम के तहत पाला जाता है। बाद में उन्हें जंगल में छोड़ दिया जाता है। केंद्र में बचाए गए जानवरों को उन स्थानों पर रखा जाता है जो उनके प्राकृतिक आवास को बारीकी से दर्शाते हैं। केंद्र में की गई कुछ प्रमुख संरक्षण पहलों में एशियाई शेर, हिम तेंदुआ, एक सींग वाले गैंडे सहित अन्य के लिए कार्यक्रम शामिल हैं। पीएम मोदी गोल्डन टाइगर के साथ भी आमने–सामने बैठे, चार स्नो टाइगर जो भाई थे और उन्हें एक सर्कस से बचाया गया था जहां उनसे करतब दिखाए गए थे।

किसानों के विरोध प्रदर्शन पर बोले भगवंत मान, धरना प्रदेश बनता जा रहा पंजाब

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब में तनाव चरम पर है। 5 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा आयोजित चंडीगढ़ चलो विरोध प्रदर्शन से पहले सत्तारूढ़ आप सरकार और किसान यूनियनों के बीच राजनीतिक गतिरोध बढ़ गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के एसकेएम की बैठक से बाहर निकलने के एक दिन बाद, किसान नेताओं ने मंगलवार को कहा कि राज्य पुलिस ने चंडीगढ़ में उनके नियोजित प्रदर्शन से पहले आधी रात को छापेमारी में कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। एसकेएम 37 किसान संघों का एक समूह है। घटना की पुष्टि करते हुए, मान ने संवाददाताओं से कहा कि जब एसकेएम नेताओं ने 5 मार्च से विरोध प्रदर्शन की योजना का उल्लेख किया तो वह बैठक से बाहर चले गए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हां, मैंने बैठक छोड़ दी, और हम उन्हें भी हिरासत में लेंगे। किसानों को पटरियों और सड़कों पर नहीं बैठने देंगे। उन्होंने आगे बताया कि मैनें किसानों से कहा कि आप हर दिन श्रेल रोकोश, श्सड़क रोकोश विरोध प्रदर्शन करते हैं। इससे पंजाब को भारी नुकसान हो रहा है। राज्य को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। पंजाब धरना प्रदेश बनता जा रहा है। मेरी कोमलता को यह न समझें कि मैं कार्रवाई नहीं करता। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि वह बिना उकसावे के बाहर क्यों चले गए, मान ने कहा कि उन्होंने किसानों से कहा था कि बैठक और मोर्चा साथ–साथ नहीं चल सकते। मान ने बाहर निकलने से पहले कहा था, लेकिन अगर आप मुझसे कहते हैं कि बैठक के साथ–साथ मोर्चा भी जारी रहेगा, तो मैं बैठक रद्द कर देता हूं और आप मोर्चा जारी रख सकते हैं।ष आधी रात को की गई छापेमारी मुख्यमंत्री मान के षबिना किसी उकसावे के बैठक के बीच से चले जाने के कुछ घंटों बाद हुई। एक वायरल वीडियो में क्रांतिकारी किसान यूनियन के राज्य महासचिव गुरमीत सिंह मेहमा ने कहा कि मान के एसकेएम के साथ बैठक से बाहर निकलने के बाद पंजाब पुलिस ने किसान नेताओं के घरों पर छापेमारी शुरू कर दी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालय प्रशासन को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया मिलिया इस्लामिया के कई छात्रों के निलंबन पर रोक लगा दी है जो बिना पूर्व अनुमति के परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। अदालत ने चर्चा में छात्र प्रतिनिधियों को शामिल करने के महत्व पर जोर देते हुए विश्वविद्यालय समिति के अधिकारियों को कुलपति की देखरेख में मुद्दे को संबोधित करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय को मामले पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह निर्णय जामिया के चार छात्रों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद आया है, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय प्रॉक्टर के उन्हें निलंबित करने और परिसर में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के आदेश को चुनौती दी थी। छात्रों के वकील ने अदालत के समक्ष कहा कि वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

मेरे शब्दों को तोड़–मरोड़कर किया गया पेश – अबू आजमी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुगल शासक औरंगजेब को श्अच्छा प्रशासकश बताकर बड़ा विवाद खड़ा करने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक अबू आजमी ने अपना बयान वापस लेते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि इस मुद्दे को शांत कर दिया जाए। औरंगजेब की प्रशंसा के बाद सपा के महाराष्ट्र अध्यक्ष आजमी की भारी आलोचना हुई। बॉलीवुड फिल्म छावा में ऐतिहासिक चित्रणों पर टिप्पणी करते हुए, आजमी ने दावा किया कि इतिहास ने औरंगजेब की विरासत को विकृत कर दिया है और वह एक क्रूर शासक नहीं था। अबू आजमी ने कहा कि अगर मेरे बयान से लोगों को ठेस पहुंची है तो मैं अपना बयान वापस लेता हूं। मैंने कभी बड़े लोगों के खिलाफ बुरा नहीं बोला। इस मुद्दे पर विधानसभा की कार्यवाही रोकना महाराष्ट्र की जनता के साथ अन्याय होगा, मैं अपना बयान वापस लेता हूं, मैं चाहता हूं कि मामले को शांत किया जाए। उन्होंने कहा कि मेरे शब्दों को तोड़–मरोड़ कर दिखाया गया है। औरंगजेब रहमतुल्लाह अलेह के बारे में मैंने वही कहा है जो इतिहासकरों और लेखकों ने कहा है।

महाकुंभ का आयोजन हमारे लिए अग्निपरीक्षा थी जिसमें केंद्र और राज्य खरे उतरे – सीएम योगी

लखनऊ , (संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश की विधानसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सपा पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि सपा के लोग खुद को समाजवादी कहते हैं लेकिन उनको राम मनोहर लोहिया जी की सोच से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि सपा के लोगों को लोहिया के आदर्श और आचरण से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का वृहद आयोजन इसका उदाहरण है कि हम भारत की परंपराओं का सम्मान करते हैं। इस बार के महाकुंभ में 66 करोड़ 30 लाख लोगों ने स्नान किया। ये विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन था। इसकी दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। दुनिया भर के मीडिया ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन किसी चमत्कार से कम नहीं है। महाकुंभ का आयोजन हमारे लिए अग्निपरीक्षा थी। इसमें केंद्र और राज्य सरकारें खरी उतरीं। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन की गूंज दुनिया में लंबे समय तक सुनाई देगी। ये हमारे सनातन धर्म के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं है बल्कि इस आयोजन से हमारी अर्थव्यवस्था को साढ़े तीन लाख करोड़ का लाभ होने की उम्मीद है।

बिहार में भी भाजपा लेकर आएगी महिलाओं के लिए लाडली बहन योजना मिला ये जवाब

बिहार, (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव छह महीने दूर हैं और राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए अभी से ही राज्य के कोने–कोने का दौरा कर रहे हैं। टकराव की तीव्रता इतनी है कि विपक्षी राष्ट्रीय जन दल (राजद) ने पहले ही अपने प्रमुख वादों की घोषणा कर दी है, जिसमें राज्य की महिलाओं को माई बहिन मान योजना के तहत प्रति माह 2,500 रुपये और अन्य पेंशन वृद्धि लाभ शामिल हैं। श्माई बहिन मान योजनाश मध्य प्रदेश में भाजपा द्वारा शुरू की गई श्लाडली बहन योजनाश के समान है। तब से, भाजपा ने इस योजना को महाराष्ट्र और दिल्ली में दोहराया है, और दोनों राज्यों में जीत हासिल की है। कांग्रेस ने भी इस योजना की

नकल की और झामुमो के साथ गठबंधन करके कर्नाटक और झारखंड में जीत हासिल की। अब सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या बीजेपी एक बार फिर बिहार में भी यह योजना लाएगी? सवालों पर पलटवार करते हुए बीजेपी नेता और पूर्व एमएलसी रणबीर नंदन ने कहा कि चुनावी गणित के आधार पर संबंधित राज्यों में योजनाओं के फैसले लिए जाते हैं। नंदन ने कहा कि जहां तक छ्महिला सम्मान योजना जैसी योजनाओं का सवाल है, हम आने वाले महीनों में एक साथ बैठेंगे और महिला कल्याण से संबंधित सामूहिक निर्णय लेंगे। हम ऐसी योजनाओं पर निर्णय लेंगे और इसे आगामी चुनावों में ले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई फैसले लिए हैं। बिहार में, सीएम नीतीश कुमार जानते हैं कि राज्य की महिलाओं की क्या उम्मीदें हैं और सीएम ने शौचालय निर्माण सहित उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले ही काम किया है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने लड़कियों को साइकिल और पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया। डबल इंजन की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के लिए भी कई योजनाएं शुरू की हैं जिन्हें राज्य में लागू किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री अठावले ने आकाश आनंद को आरपीआई में आने का दिया ऑफर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने आकाश आनंद को बसपा से निकाले जाने पर कहा कि आकाश मायावती जी का अनुसरण कर रहे थे। उन्हें अब पार्टी से निकाल

दिया गया है तो उन्हें हमारी पार्टी में शामिल हो जाना चाहिए। हम रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया में उन्हें उचित सम्मान देंगे। वो बहुजन समाज के मिशन को आगे बढ़ा रहे थे। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बारे में अठावले ने कहा कि उनका चरित्र बदल गया है। वो लगातार महाकुंभ पर टिप्पणी करते रहे जो कि सही नहीं है। वो खुद भी कुंभ में डुबकी लगाने गए लेकिन बयानबाजी करते रहे। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वो हमारे मित्र हैं लेकिन अब वो बदल गए हैं। अठावले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाकुंभ में स्नान के लिए नहीं गए। उन्हें हिंदुओं का वोट तो चाहिए लेकिन कुंभ स्नान नहीं करने गए। अगर वो जाते तो योगी सरकार उन्हें पूरी सुविधाएं देती लेकिन वो नहीं गए। ये उन्होंने सही नहीं किया।

सपा ने सदन में उठाया गो-आश्रय स्थलों की दुर्दशा का मुद्दा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा की गई। इसमें पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सपा सरकार में कसाई को देखकर गाय कांपती थी। वहीं भाजपा सरकार में कसाई गाय को देखकर कांपता है। कहा कि प्रदेश में कोई छुट्टा पशु नहीं है, बल्कि छोड़े गए पशु हैं। गो–आश्रय स्थलों के प्रबंधन के लिए माइक्रो मैनेजमेंट के दिशा–निर्देश दिए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने हालिया बजट में 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी की है। पशुधन मंत्री सपा सदस्य महेंद्र नाथ यादव व संग्राम सिंह द्वारा किसानों की फसलों को छुट्टा जानवरों से बचाने के लिए योजना बनाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। पशुधन मंत्री के जवाब पर संग्राम सिंह यादव ने कहा कि अधिकारियों

के चक्कर में फंसकर मंत्री जवाब दे रहे हैं। वह खुद भ्रमण कर लें। गो–आश्रय स्थलों पर इंतजाम बहुत कम हैं। पशुओं के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है। सरकार को बजट बढ़ा देना चाहिए, जिसका हम समर्थन करेंगे। वहीं मंत्री के जवाब पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि पशुओं के साथ दुर्घटना में घायल लोगों की कुछ दिन बाद मृत्यु हो जाती है। राज्य सरकार को उन्हें भी आर्थिक सहायता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गाय कसाई से डरती नहीं थी। तब वह मोटी होती थी। वहीं सपा सदस्य अनिल प्रधान ने छुट्टा पशुओं द्वारा फसलों का नुकसान करने को लेकर सवाल उठाया, जिसके जवाब में मंत्री ने कहा कि फसलों का नुकसान होने की कोई शिकायत नहीं है। प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण पर रोजाना 7.50 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। यह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को मानदेय नहीं

विधानसभा में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा कि अन्य राज्यों की भांति आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को वेतन और अन्य सुविधाएं देने पर राज्य सरकार विचार नहीं कर रही है। वह सपा सदस्य बृजेश कठेरिया के सवाल का जवाब दे रही थीं।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बीमा योजनाओं से आच्छादित किया गया है। वहीं सपा सदस्य त्रिभुवन दत्त द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि यह सेवा मानदेय पर आधारित है।

मिलावट रोकने को लगातार चला रहे अभियान

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सदन को अवगत कराया कि मिठाइयों में मिलावट रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जाता है। दोषियों पर कार्रवाई भी होती है। उन्होंने सदन के सामने बीते एक वर्ष में हुई । कार्रवाई का ब्योरा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बीते एक वर्ष में कुल 4344 नमूने लिए गए, जिसमें से 1201 अधोमानक पाए गए। नियमों का उल्लंघन करने के 150 मामलों में कार्रवाई की गई।

पूर्व विधायकों की सूचना नहीं देने वाले अफसरों पर होगी कार्रवाई

सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने करनैलगंज के पूर्व विधायक कुंवरि बृज सिंह के विगत 22 फरवरी को निधन होने की जानकारी सदन को दी।

किसान नेताओं के घर पुलिस का एक्शन, चंडीगढ़ और बरनाला में कार्रवाई

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब के किसान नेता लगातार अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल कर बैठे है। चंडीगढ़ में धरने से पहले ही किसान नेताओं के घर पर पुलिस की टीमें पहुंची है। पुलिस ने नेताओं के घर ये कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक भारतीय किसान यूनियन उगराहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां के घर भी पुलिस पहुंची है, मगर उन्हें किसान नेता घर पर नहीं मिले। पुलिस की कई टीमें बरनाला में भी किसान नेताओं के घर पहुंची है। बता दें कि पुलिस का ये एक्शन चंडीगढ़ में पांच मार्च को लगने वाले मोर्चे से पहले हुआ है। मनसा में भी पुलिस की टीमों ने किसान नेताओं के घर छापेमारी की

और कुछ किसान नेताओं को हिरासत में लिया है। पंजाब में किसान अपनी मांगों को लेकर सरकार के सामने खड़े हुए है। चंडीगढ़ में किसानों को धरना देना है, इससे पहले बड़ी कार्रवाई हुई है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने किसान नेता कुलवंत सिंह को नजर बंद कर दिया है। उनके घर पर सुबह ही छापा पुलिस ने मारा था। कुलवंत सिंह किसान सभा संयुक्त किसान मोर्चा का हिस्सा है। उनके अलावा अन्य किसान नेता दलजिंदर सिंह हरियाउ को भी गिरफ्तार किया है।

केंद्र ने उत्तरी राज्यों में तमिल पढ़ाने के लिए संस्थान क्यों नहीं स्थापित किए - एम. के. स्टालिन

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कथित तौर पर हिंदी थोपने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आश्चर्य जताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर भारत के राज्यों के लोगों को तमिल या अन्य दक्षिण भारतीय भाषाएं सिखाने के लिए संस्थान स्थापित करने में मदद क्यों नहीं की। 'हिंदी थोपे जाने का विरोध' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित पत्र में स्टालिन ने कहा कि 'गूगल ट्रांसलेट', 'चौट (जीपीटी)' और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी तकनीक लोगों को संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए केवल आवश्यक तकनीक सीखना फायदेमंद होगा। किसी को थोपना उन पर केवल बोझ होगा। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि गांधीजी का मानना छ्था कि दक्षिणी राज्यों के लोग हिंदी सीखें और उत्तरी राज्यों के लोग दक्षिणी भाषाओं में से एक सीखें, जिससे राष्ट्रीय एकता का मार्ग प्रशस्त होगा और राष्ट्रपिता की इच्छा को पूरा करने के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की गई थी। स्टालिन ने कहा, ''गांधी जी ने खुद चेन्नई में सभा के मुख्यालय में कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और वर्तमान में ये सभा छह हजार केंद्रों के साथ दक्षिणी राज्यों में काम कर रही है।'' इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर पूछा कि क्या उत्तर भारत में 'उत्तर भारत तमिल प्रचार सभा या द्रविड़ सभा' जैसा कोई संगठन स्थापित किया गया है, ताकि उत्तरी राज्यों के लोगों को दक्षिणी राज्यों की भाषाओं में से किसी एक को सीखने में सुविधा हो? मुख्यमंत्री ने भाजपा का नाम लिए बिना उस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने गंगा नदी के तट पर संत

कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा स्थापित करने का दावा किया था, उन्होंने उसे कूड़े के ढेर में फेंक दिया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या ऐसे लोग तमिल का प्रचार करने के लिए कोई संस्था स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि 'जो लोग गोडसे के मार्ग पर चलते हैं, वे गांधी के उद्देश्यों को कभी पूरा नहीं कर पाएंगे।' दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, जिसे 1964 में संसद द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया गया था,।

संपादकीय

सौदेबाजी का ट्रंप कार्ड

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस–यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता,यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है। लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे।

अर्द्धसत्यों के दौर में सत्य की अंतहीन तलाश

सुधीश पचौरी

इससे पहले सुशांत सिह राजपूत की हत्या या आत्महत्या से संबंधित अपराध कथा आई थी जो कई दिनों तक चौनलों में छाई रही, सोशल मीडिया में जिस तिस के नाम उछलते रहे, लोगों की जिज्ञासा बढ़ती रही– लोग सोचते रहे कि सच अब आया अब आया सबके सामने लेकिन असल सच अब तक न आ सका३। कुछ पहले एक बड़े हीरो के बेटे को नशे के आरोप में गिरफ्तार किया गया तो मीडिया में सनसनी मची। लेकिन फिर एक दिन वो छूट गया और यह मसालेदार कहानी भी ठंडी हो गई। ऐसे ही एक अन्य बड़े हीरो को एक माफिया से धमकियां मिलीं। फिर एक दिन घर पर गोलियां चलीं. . बड़ी कहानी बनी और फिर मीडिया ने भुला दिया। इसी बीच उसके एक मित्र को सरेआम गोलियां मारी गई। कुछ दिन की खबर रही फिर यह कहानी भी किनारे हो गई। हमारे मीडिया में आती ऐसी कहानियां पहले तो तेजी से आती हैं, सनसनी मचाती हैं, फिर एक दिन मीडिया उनको भूल जाता है। ऐसी हर बड़ी नामी कहानी को हमारा मीडिया अचानक 'ब्रेक' करता है– वह आते ही सनसनी फैला देती है– लोग उसे टीवी चौनलों में और सोशल मीडिया पर टुकड़े–टुकड़े खुलते देखते हैं। ऐसी हर कहानी सीरियल का रूप ले लेती है– हर दिन उसके एपिसोड आते रहते हैं और एक दिन वो बिना नतीजे के गायब हो जाती है। सुशांत ने आत्महत्या की तो उसका कारण क्या रहा? अगर उसकी हत्या की गई तो हत्यारे का मोटिव क्या रहा? हम देखते रहते हैं लेकिन ऐसी हर कहानी उन सवालों का अक्सर जबाव नहीं दे पातीं जो बार–बार पूछे जाते हैं। कई बार ऐसी कहानियां बीच में बंद हो जाती हैं,कई बार वे बीच–बीच में टुकड़ों के रूप में आती रहती हैं। अगर किसी कहानी के पात्र समाज के बड़े लोग हैं, वे सेलिब्रिटी हैं, नामी–गिरामी हैं, आइकन हैं तो उनकी कहानियां जिस तरीके से आती, उसी तरीके से विदा हो जाती हैं। पहले वे बड़ी खबर की तरह ब्रेक होती हैं, फिर वे खबरें टुकड़े–टुकड़े आती हैं। फिर जांच की बात होती है, कुछ पुलिस की खबरें भी आती हैं। फिर जांच बैठा दी जाती है और जैसे ही जांच बैठती है वैसे ही कहानी 'आउट' हो जाती है। अगर कोई कहानी कुछ चलती भी है तो बहुत जल्द उसमें धर्म और जाति आ जाते हैं और फिर हर कथित आरोपी को धर्म या जाति

के चश्मे से देखा जाने लगता है– ऐसी हर कहानी बीच में दम तोड़ देती है। यही हम राजनीतिक अपराध कथाओं में होता देखते हैं–एक दिन खबर आती है कि कोई लाखों करोड़ों का चूना लगाकर विदेश भाग गया है। या कहीं किसी ने बड़ा गबन कर दिया है। या कहीं किसी ने पैसे का बड़ा फ्राड कर दिया है। या तो किसी बड़े नेता या अफसर के बिस्तर में छिपाए गए करोड़ों के नोट मिले हैं। हर ऐसी कहानी हमें थोड़ा सच और बहुत सारा झूठ परोस कर निकल जाती है। ऐसी हर अधूरी कहानी हमें असतुंष्ट कर छोड़ जाती है और इसीलिए हर बार हम ऐसी अपराध कथाओं का अंत देखने के लिए उनको फॉलो करते रहते हैं। ऐसी हर कहानी हमारे अंदर किसी गोपीचंद जासूस को जगा देती है और हम ऐसी हर कथा के प्राइवेट जासूस बन जाते हैं। ऐसे में हम अपनी कल्पना से ऐसी कहानी को पूरा करते रहते हैं। यही अपराध कथा का चस्का है। ऐसी हर कहानी एक आधी–अधूरी अपराध कथा होती है। जिसे मीडिया ने मैनेज कर लिया होता है। और मीडिया को किसी ताकतवर ने मैनेज कर लिया होता है। फिर भी हम–आप 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया' को सत्य का अधिष्ठान मानते हैं और मानते हैं कि कैमरा कभी झूठ नहीं बोलता। फिर, आज के 'सोशल मीडिया' के 'आल्ट न्यूज' या 'फेक न्यूज' ने सच व झूठ को एक–दूसरे में इतना मिक्स कर दिया है कि हम सच को झूठ से अलगाकर नहीं देख पाते और रही कसर 'कृत्रिम बुद्धि' ने पूरी कर दी है। जहां मूल क्या है और नकल क्या है इसका पता ही नहीं चलता। शायद इसी वजह से हम मीडिया के हर सच में एक झूठ खोजते रहते हैं और हर झूठ में एक सच खोजते रहते हैं। इस तरह हम एक ही वक्त में इतनी तरह के अर्द्धसत्यों में रहते हैं कि हम भूल जाते हैं कि खुद 'मीडिया के सच में' सच कितना है। और फिर कुछ देर बाद थककर हम सच को तलाशना ही बंद कर देते हैं। सच को झूठ और झूठ को सच बनाने की कला का नाम ही 'नेरेटिव' है जो किसी भी दृश्यमान या लिखित सच को एक ऐसी कहानी में ढाल देता है जिसमें आकर 'गलत' बात भी 'सही' नजर आने लगती है। हम संशय में रहने लगते हैं कि कोई 'अपराधी' अपराधी था भी कि नहीं, कोई 'भ्रष्ट' भ्रष्ट था भी कि नहीं। इस तरह एक ओर हम मीडिया के 'सच' बताने के दावे को सच मान उसके बनाए बताए 'सच' पर भरोसा करने लगते हैं, दूसरी ओर 'सच' को 'झूठ' और 'झूठ' को 'सच' बनाने–बताने की उसकी कला के भी कायल होते रहते हैं। और फिर भी मीडिया पर भरोसा करते रहते हैं कि उसने जो बताया दिखाया वो सच ही होगा। इन दिनों मीडिया का प्रिय शब्द 'नेरेटिव' यही काम करता हैकृ वह पहले एक कहानी बुनता है और उसकी डोरी पर अपना समांतर 'सच' और 'झूठ' एक साथ फैलाता है, तानता है, सुखाता है और फिर उसे क्रीज कर यानी अनुशासित कर उसका अच्छा पैकेज बनाकर हमें ही बेच देता है। इसीलिए कई विशेषज्ञों का मानना है कि मीडिया का सच पूरा सच कभी नहीं होता बल्कि 'नेरेटिव' में आकर वह एक कहानी में आकर हर सच, आधा सच और आधा झूठ बन जाता है। ऐसा नेरेटिव किसी कथित सच को भी ऐसी कहानी के हिस्से के रूप में कहता है जो सच न होते हुए सच लगती है। आधुनिक युग में जब से सर्वशक्तिमान की मृत्यु घोषित की गई है तब से 'सत्य' फिल्म 'दृश्यमद्' के गढ़े हुए सत्य की तरह रह गया है। जिसके एक सत्य का निर्माण फिल्म का नायक करता है तो दूसरे सत्य का निर्माण पुलिस करती है। और अंत में जो सच था वो प्रमाण के अभाव में अनिर्णीत रह जाता है। और हम भी सच–झूठ को एक कहानी मानकर अगली कहानी का इंतजार करने लगते हैं!

बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन से निपटना

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन अब समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इसके लिए प्रकृति प्रदत्त मानव संसाधनों का बेतहाशा उपयोग और जंगलों का निर्ममता से किया गया अत्यधिक कटान तो जिम्मेदार है ही, इसमें भौतिक संसाधनों के सुख की मानवीय चाहत और विभिन्न क्षेत्रों के प्रदूषण के योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता। बढ़ता वैश्विक तापमान और उसके चलते मौसम में आये अप्रत्याशित बदलाव का दुष्प्रभाव जीवन के हर पक्ष पर पड़ रहा है। इससे हमारा पर्यावरण, जीवन, रहन–सहन, भोजन, पानी, और स्वास्थ्य पर प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। तात्पर्य यह कि जीवन का कोई भी पक्ष इसके दुष्प्रभाव से अछूता नहीं है। असलियत में जलवायु परिवर्तन से बदलता मौसम भोजन, स्वास्थ्य और प्रकृति को जो नुकसान पहुंचा रहा है, उसकी भरपाई फिलहाल तो आसान नहीं दिखाई देती। हां, इसके चलते प्राकृतिक असंतुलन के कारण जन्मी आपदाएं भयावह रूप जरूर अख्तियार करती जा रही हैं जो तबाही का सबब बन रही हैं। धरती के लिए यह चेतावनी भी है कि अब भी समय है, संभल जाओ, यदि अब भी नहीं संभले, तो यह संकट लगातार गहराता चला जायेगा। तब इसका मुकाबला कर पाना बहुत मुश्किल होगा। आजादी के बाद के 70 सालों में जलवायु परिवर्तन से भारत में ही आपदाओं में आठ गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसका खुलासा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत संगठन 'आई फारेस्ट' की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद के शुरुआती सालों में जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदा यानी बाढ़, चक्रवात, हीटवेव आदि की तादाद कुल मिलाकर 27 ही थी, लेकिन उसके बाद के बरसों में इनकी तादाद बढ़कर आठ गुणा का आंकड़ा पार कर गयी। इसमें 1998 में गुजरात में व 1999 में ओडिशा में आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही, 2013 में उत्तराखंड में आई जल प्रलय और 2014 में आये हुदहुद और अम्फान नामक आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही व 2019 में जून से सितम्बर के बीच मानसून मौसम में 110 फीसदी से अधिक हुई बारिश से देश के 14 राज्य बाढ़ के भीषण प्रकोप से प्रभावित रहे। फानी तूफान के कहर तथा 1998, 2002, 2003 और 2015 में हुई भीषण तापमान वृद्धि और भीषण लू की घटनाओं को लोग भूले नहीं हैं।

यदि हम वर्ष 1991 से 2000 तक जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं का जायजा लें तो इस दौरान 96 आपदाओं का देश को सामना करना पड़ा। जबकि उसके बाद वर्ष 2020 तक देश की जनता को 210 आपदाओं का कहर झेलना पड़ा। वर्ष 2024 तो देश के लिए अभूतपूर्व गर्मी की मार वाला रहा, अप्रैल से जुलाई तक सबसे खराब और सबसे लम्बे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरों यानी भयंकर लू की मार सहने को देश विवश हुआ। इस दौरान देश के 741 जिलों में से लगभग 500 जिलों का दैनिक तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यावरण और मानवाधिकार संगठन 'जर्मन वॉच' के क्लाइमेट इंडेक्स से खुलासा हुआ है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में जिनमें डोमिनिका, चीन, होंडुरास, म्यांमार, इटली, ग्रीस, स्पेन, वानुआतू और फिलीपींस शामिल हैं, में छठे स्थान पर है और यहां साल–दर–साल आपदाएं विकराल होती जा रही हैं। बीते तीन दशकों में अकेले भारत में जलवायु परिवर्तन से जन्मी मौसमी आपदाओं से देश को कुल 180 अरब डालर का नुकसान हुआ और औसतन 4,66,45,209 लोग प्रभावित हुए।

..........स्वास्थ्य..........

यूरिक एसिड के दुश्मन, ये 5 सब्जियां बन सकती हैं आपकी सेहत के लिए काल

यूरिक एसिड एक वेस्ट प्रोडक्ट है, जो हमारे शरीर में प्यूरिन के टूटने से बनता है। आम तौर पर, यह यूरिन के जरिए बाहर निकल जाता है। लेकिन जब शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, तो यह गठिया (गाउट) और किडनी स्टोन जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। कुछ हेल्दी दिखने वाली सब्जियों में भी प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, और इन्हें ज्यादा मात्रा में खाने से यूरिक एसिड का लेवल बढ़ सकता है। आइए जानते हैं उन 5 सब्जियों के बारे में, जो यूरिक एसिड बढ़ा सकती हैं।

पालक

पालक एक पोषण से भरपूर सब्जी है, जिसमें आयरन, विटामिन–सी और फाइबर पाया जाता है, लेकिन इसमें प्यूरिन की मात्रा भी अधिक होती है। जो लोग यूरिक एसिड की समस्या से जूझ रहे हैं, उन्हें पालक का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में पालक खाने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

मशरूम

मशरूम में भी प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, जो यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती है। हालांकि, मशरूम प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत है, फिर भी यूरिक एसिड के मरीजों को इसे कम मात्रा में ही खाना चाहिए।

फूलगोभी

फूलगोभी में प्यूरिन की मात्रा मध्यम होती है, और यह यूरिक एसिड के स्तर को प्रभावित कर सकती है। इसमें विटामिन–सी और फाइबर पाया जाता है, लेकिन गाउट या यूरिक एसिड के मरीजों को इसे नियंत्रित मात्रा में ही खाना चाहिए।

भिंडी

भिंडी स्वादिष्ट और फाइबर और विटामिन्स से भरपूर होती है, लेकिन इसमें प्यूरिन की मात्रा ज्यादा होती है, जो यूरिक एसिड का स्तर बढ़ा सकती है। यूरिक एसिड के मरीजों को भिंडी को सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

बैंगन

बैंगन में प्यूरिन की मात्रा मध्यम होती है, और यह यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकता है। हालांकि बैंगन स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन यूरिक एसिड के मरीजों को इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

यूरिक एसिड को नियंत्रित करने के टिप्स

हेल्दी डाइट लें और ऊपर बताई गई सब्जियों का सेवन सीमित करें। ज्यादा पानी पीने से यूरिक एसिड शरीर से बाहर निकलता है, इसलिए दिन में कम से कम 8–10 गिलास पानी जरूर पिएं।

बदलते मौसम में गठिया के दर्द से परेशान हैं तो अपनाएं ये उपाय

गठिया एक ऐसी बीमारी है, जो मुख्य रूप से उम्र बढ़ने के साथ होती है, लेकिन आजकल यह युवाओं में भी देखने को मिल रही है। इसमें जोड़ों में दर्द, सूजन और जकड़न की समस्या उत्पन्न होती है। मौसम बदलने पर यह समस्या और भी बढ़ जाती है। महंगी दवाइयों के बावजूद अगर राहत न मिले, तो आयुर्वेदिक घरेलू उपाय अपनाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कई शोधों ने कुछ असरदार आयुर्वेदिक नुस्खों को साझा किया है, जो गठिया के दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए, इन नुस्खों को विस्तार से जानते हैं।

अलसी से जोड़ों को मजबूती

अलसी के बीज ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं, जो जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। यह बीज शरीर में सूजन को कंट्रोल करते हैं और गठिया के दर्द को कम करने में असरदार होते हैं। आप रोजाना अलसी के बीज का सेवन करके अपने जोड़ों को मजबूत बना सकते हैं। इसका सेवन आसानी से आप सुबह अपने नाश्ते में कर सकते हैं या फिर इसे किसी सलाद या दही में डाल सकते हैं।

हल्दी वाला दूध– गठिया के दर्द के लिए कारगर उपाय

हल्दी में करक्यूमिन नामक एक तत्व होता है, जो एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। यह तत्व जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करता है। रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीने से गठिया के दर्द में आराम मिलता है। इसके लिए एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें थोड़ा शहद या गुड़ भी डाल सकते हैं। यह उपाय गठिया के दर्द में बहुत प्रभावी साबित हो सकता है।

अश्वगंधा– नेचुरल पेनकिलर

अश्वगंधा एक आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी है, जो शरीर की कमजोरी को दूर करने और जोड़ों की सूजन को कम करने में मदद करती है। यह गठिया के मरीजों के लिए एक शानदार उपाय है। आप रोजाना एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण को गुनगुने पानी के साथ लेने से गठिया के दर्द और सूजन से राहत पा सकते हैं। यह उपाय शरीर को ताकत भी प्रदान करता है और गठिया के दर्द को कम करने में मदद करता है।

सरसों के तेल की मालिश– जोड़ों की जकड़न में राहत

गुनगुने सरसों के तेल की मालिश गठिया के दर्द और जकड़न को कम करने के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों की मजबूती बढ़ाते हैं और सूजन को घटाते हैं। आप रोजाना रात को सोने से पहले गुनगुने सरसों के तेल से अपने प्रभावित जोड़ों की मालिश कर सकते हैं। इससे रक्त संचार बेहतर होता है और दर्द में राहत मिलती है।

मेथी के बीज का पानी– सूजन और दर्द से राहत

मेथी के बीज में ऐसे तत्व होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। रात भर पानी में भिगोई हुई मेथी के बीज का पानी सुबह खाली पेट पीने से जोड़ों की सूजन और दर्द कम होता है। आप इसे 2–3 हफ्ते तक नियमित रूप से सेवन कर सकते हैं। इस उपाय से धीरे–धीरे गठिया के दर्द में कमी आती है और राहत मिलती है।

नीम और गिलोय का काढ़ा– गठिया में राहत का उपाय

नीम और गिलोय दोनों ही शरीर की इम्यून सिस्टम को बढ़ाने में मदद करते हैं। इन दोनों का संयोजन गठिया के दर्द को कम करने में बहुत असरदार होता है। आप एक गिलास पानी में 1 चम्मच गिलोय पाउडर और 5–6 नीम की पत्तियां डालकर इसे 10–15 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। जब पानी आधा रह जाए तो इसे छानकर गुनगुना पी सकते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट इसे पीने से गठिया के दर्द में बहुत राहत मिलती है।

कैटरीना कैफ की स्किन जैसी ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए फॉलो करें ये 5 स्किन केयर टिप्स

हर लड़की की ख्वाहिश होती है कि उसकी त्वचा बॉलीवुड एक्ट्रेसेस की तरह ग्लोइंग और बेदाग हो। हालांकि इसके लिए महंगे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल जरूरी नहीं है। अगर आप भी कैटरीना कैफ जैसी खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं, तो उनके बताए गए कुछ आसान स्किनकेयर टिप्स को अपनाकर आप भी अपनी त्वचा को चमकदार बना सकती हैं।

कैटरीना कैफ की स्किन केयर टिप्स

हेल्दी डाइट का पालन करें

कैटरीना कैफ का मानना है कि केवल डाइट फूड पर फोकस करना सही नहीं है, बल्कि हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। इस डाइट में पोषक तत्वों की सही मात्रा होनी चाहिए, जिससे आपकी स्किन को अंदर से निखार मिले और वह ग्लोइंग रहे।

गुनगुना पानी पीना है जरूरी

कैटरीना का कहना है कि वह अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए हर सुबह गुनगुने पानी से दिन की शुरुआत करती हैं। यह तरीका न केवल त्वचा को हाइड्रेट करता है, बल्कि इससे चेहरे पर भी निखार आता है।

आइस वॉटर से स्किन को दें ग्लो

कैटरीना कैफ का कहना है कि ग्लोइंग स्किन के लिए वह नियमित रूप से आइस वॉटर का इस्तेमाल करती हैं। आइस वॉटर से चेहरे पर ताजगी आती है और यह त्वचा को ठंडक भी पहुंचाता है, जिससे स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग बनती है।

फेशियल वर्कआउट करें

कैटरीना कैफ अपने स्किनकेयर रूटीन में फेशियल वर्कआउट को भी शामिल करती हैं। यह फेस योगा त्वचा के मसल्स को रिलैक्स करता है और झुर्रियों तथा फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करता है। अगर आप भी अपनी स्किन पर निखार चाहती हैं, तो फेस योगा को अपने रूटीन में शामिल करें।

मेकअप रिमूव करना है जरूरी

कैटरीना कैफ और अन्य बॉलीवुड एक्ट्रेसेस हमेशा इस बात पर जोर देती हैं कि सोने से पहले मेकअप जरूर हटा लें। मेकअप को चेहरे पर छोड़ने से गंदगी जमा हो सकती है।

जिससे पिंपल्स और एचिंग के संकेत हो सकते हैं।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0द्वारा वर्चुअल कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से जनपद पीलीभीत में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करते हुए शुभारंभ और उद्घाटन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा वर्चुअल कान्फ्रेन्सिग के मध्यम से पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के पर्यवेक्षण में जनपद पीलीभीत में क्रियान्वित ई–ऑफिस का उद्घाटन कर शुभारंभ किया गया। ई–ऑफिस का उद्देश्य पुलिस विभाग के भीतर प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाना है, जिससे दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। पीलीभीत के सभी थानों व शाखाओं में ई–ऑफिस का कार्यान्वयन किया गया है। उद्घाटन के दौरान पुलिस महानिदेशक उ०प्र० ने प्रौद्योगिकी को अपनाने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के प्रयासों की सराहना की गयी। ई–ऑफिस एक है। जिसका निर्माण छप्ब् द्वारा किया गया है। ई–ऑफिस का विजन समस्त कार्यालय को सरलीकृत, उत्तरदायी, प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी कामकाज को प्राप्त करना है। यह केन्द्रीय सचिवालय नियमावली (ब्ैडमव्) पर आधारित है ई–ऑफिस द्वारा कार्यालयो में की जा रही सम्पूर्ण कार्यवाही को कागजरहित तथा अत्यधिक तीव्र बनाये जाने के उद्देश्य से लागू किया जा रहा है। ई–ऑफिस के लाइव प्रजेंटेशन के दौरान पुलिस अधीक्षक पीलीभीत द्वारा प्रधान कार्यालय में सुधार कार्य एवं अनुरक्षण हेतु एक पुलिस पेंशनर्स की 01 लाख 67 हजार रूपये की मेडिकल फाइल ई–आफिस के माध्यम से डिजिटली हस्ताक्षर कर जारी किया गया।

ई–ऑफिस की कार्यप्रणालीः पुलिस अधीक्षक पीलीभीत द्वारा जनपद पीलीभीत में म–वििपिबम प्रणाली की शुरुआत सर्वप्रथम प्रधान लिपिक कार्यालय व आंकिक शाखा में की गयी। जिसके सफल क्रियावन के उपरान्त जनपद के समस्त थाना व शाखाओं में ई–आफिस प्रणाली शत–प्रतिशत लागू करने हेतु आवश्यक उपकरण जैसे स्कैनर, लैपटॉप एवं अन्य उपकरण क्रय किये गये तथा जनपद में नियुक्त समस्त थाना प्रभारी, शाखा प्रभारी व उनके अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त कर्मचारियों की ळवअ प्क व टच्छ तैयार कराया गया तथा समस्त प्रभारियों को ई–आफिस के माध्यम से हस्ताक्षर करने हेतु कैब् बनवाये गये। साथ ही जनपद में ई–ऑफिस के सफल क्रियान्वयन हेतु एक नयी शाखा का गठन किया गया जिसके द्वारा समस्त प्रकार की प्राप्त डाक को डिजिटली पंजीकरण कर ई–आफिस के माध्यम से सम्पूर्ण जनपद को वितरित करेगा और जनपद पीलीभीत को डिजिटलाइज करने में अहम भूमिका निभायेगा। जनपद में ई–ऑफिस को पूर्ण रूप से लागू करने के लिये समस्त अधिकारी व कार्यालयों में नियुक्त कर्मचारियों को ई–ऑफिस का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रणाली के तहत आने वाले पत्राचार की स्कैनिंग और पंजीकरण के साथ–साथ पत्रावली बनाने, नोटिंग, रेफरेंसिंग, पत्राचार संलग्नकों, अनुमोदनार्थ आलेखों और अन्ततोगत्वा पत्रावलियों के साथ–साथ प्राप्तियों के संचरण समस्त कार्यवाही कागज रहित व इलेक्ट्रॉनिक ई–ऑफिस के माध्यम से की जायेगी। ई–ऑफिस प्रक्रिया से न सिर्फ दस्तावेजों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की झंझट से मुक्ति मिलेगी बल्कि कीमती समय की भी बचत होगी। मोटी–मोटी फाइलों का जमाना गुजरे जमाने की बात पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने बताया कि मुख्यमंत्री उ०प्र० योगी आदित्यनाथ के डिजिटल इंडिया मिशन को बढ़ावा देने के लिए जिले में ई–ऑफिस प्रणाली को शत प्रतिशत लागू किया गया है। इसी के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस में तकनीकी सुधार और आधुनिकीकरण की दिशा में बड़े कदम उठाये गए हैं। इस पहल के तहत थानों में मोटी–मोटी फाइलों का जमाना खत्म होगा और ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। पुलिसकर्मियों को दी गई ई–ऑफिस की ट्रेनिंग, थानों को उपलब्ध कराए गए तकनीकी उपकरण–पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने बताया कि ई–ऑफिस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षण जिला प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों को ई–ऑफिस की तकनीकी जानकारी दी गई है। यह प्रणाली एनआईसी (नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर) द्वारा तैयार की गई है और यह केन्द्रीय सचिवालय नियमावली (ब्ैडमव्) पर आधारित है। उन्होंने बताया कि ई–ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए जिले में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर लंबित शिकायतों के निपटारे में आएगी और तेजी, मिलेगा त्वरित न्याय–ई–ऑफिस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य फाइलों और डेटा के डिजिटल प्रबंधन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता लाना है। यह प्रणाली शिकायतों और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को तेज बनाएगी, जिससे जनता को त्वरित न्याय मिल सकेगा। साथ ही डिजिटल फाइल के जरिये मॉनिटरिंग से अधिकारियों को कार्यों पर नजर रखने और निर्णय प्रक्रिया को सुगम बनाने में काफी मदद मिलेगी। वहीं ई–ऑफिस प्रणाली लागू होने से जनता को भी कई लाभ होंगे। इससे थानों में लम्बित शिकायतों के निपटारे में देरी नहीं होगी और रिपोर्टिंग प्रक्रिया पारदर्शी के साथ समयबद्ध होगी। इसके अलावा थानों और जिला कार्यालयों में भ्रष्टाचार की संभावना भी कम होगी। इससे न केवल पुलिसकर्मियों का कार्यभार कम होगा, बल्कि आमजन को पुलिस विभाग से जुड़ी सेवाओं का लाभ तेजी और पारदर्शी तरीके से मिलेगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत सभी बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक हुई आयोजित

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत सभी बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कि गई उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी बैंकर्स अधिक से अधिक ऋण स्वीकृत और वितरण कराएं तथा अपनी बैंक शाखाओं से रिर्वस स्पान्सरिंग के आवेदन करायें बैठक के समीक्षा में पाया गया कि भारतीय बैंक की शाखाओं में सर्वाधिक आवेदन लम्बित है जिस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त किया गया तथा निर्देशित किया गया कि सभी बैंकर्स अगले तीन दिन में सभी लम्बित प्रकरण खत्म कर स्वीकृत वितरण की संख्या बढ़ायेद्द बैठक में जिलाधिकारी ने कैम्पों के माध्यम से आवेदन कराये जाने के निर्देश उपायुक्त उद्योग को दिया तथा अग्रणी जिला प्रबन्धक को निर्देशित किया कि सभी बैकर्स से वार्ता कर योजना स्वीकृत वितरण की संख्या बढ़ायें।

अवर सहायकों का ग्रेड पे बढ़ाने के लिए सीएम योगी का धन्यवाद - चौधरी प्रीतम सिंह

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। अवर सहायक (मेट) संघ सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी प्रीतम सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को धन्यवाद करते हुए कहा कि हम कर्मचारियों की 14 साल पुरानी मांग को यूपी सरकार ने पूरा किया है। 16 नम्बर 2011 से हम कर्मचारी इस मांग को लेकर प्रयासरत रहे लेकिन हमें कामयाबी अब हासिल हुई है। उन्होंने सभी कर्मचारियों का भी धन्यवाद देते हुए कहा कि यदि हम कर्मचारी मिल कर संघर्ष नहीं करते तो आज हमें सफलता प्राप्त नहीं होती। प्रदेश महासचिव द्वारिका प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मेटों का ग्रेड पे 1800 रुपए से बढ़ाकर 1900 रुपए कर दिया गया है जिसके लिए हम सभी कर्मचारी योगी सरकार को बहुत बहुत धन्यवाद देते हैं। प्रदेश सचिव राघवेन्द्र कुमार मिश्रा ने सीएम योगी और सिंचाई मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि जैसे ही मुख्यमंत्री के संज्ञान में हमारी समस्या आई वैसे ही उन्होंने कार्यवाही करते हुए मेटों का ग्रेड पे बढ़ा दिया है।

तत्काल टिकटों में सेंधमारी शुरू, आरपीएफ की लापरवाही उजागर 35 हजार यात्रियों को कन्फर्म टिकट की आस

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ से दिल्ली जाने वाली लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, कैफियात, अवध आसाम एक्सप्रेस आदि ट्रेनों में वेटिंग का आंकड़ा 250 पार पहुंच गया है। वहीं लखनऊ से मुंबई की ट्रेनों पुष्पक एक्सप्रेस, अवध एक्सप्रेस, कुशीनगर आदि में वेटिंग सवा दो सौ पार चल रही है। लिहाजा यात्रियों के लिए कन्फर्म टिकटों की मारामारी बढ़ गई है। ऐसे में टिकट दलाल सक्रिय हो गए हैं। जो यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। आरपीएफ की ओर से टिकट दलालों पर कार्रवाई की योजना बनाई गई है, लेकिन अभी तक जमीन पर कार्रवाई होती नहीं दिखी। जिससे दलालों के हौसले बुलंद हैं। आरपीएफ की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में ऐसे दलालों का रैकेट फैला हुआ है, जिसकी पड़ताल में आईआरसीटीसी की भी मदद ली जा रही है। उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे की आरपीएफ टीमों की ओर से पिछले वर्षों में चलाए गए चेकिंग अभियान में प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर से टिकट बनाने वाले दलाल गिरफ्तार हो चुके हैं। रेडमिर्ची, चाइनीज मैंगो, ब्लैक फॉरेस्ट जैसे आठ सॉफ्टवयर बरामद किए जा चुके हैं। इन सॉफ्टवेयरों की मदद से आसानी से तत्काल टिकट बुक कराए जाते रहे हैं। नियमित ट्रेनों में वेटिंग से परेशान यात्रियों की सुविधा के लिए 14 होली स्पेशल ट्रेनों को वाया लखनऊ चलाने की घोषणा की गई है। यह ट्रेनें चारबाग, लखनऊ जंक्शन व ऐशबाग स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएंगी। अलीगंज निवासी इंजीनियर नेहा सिंह ने लखनऊ से मुंबई के लिए पुष्पक की थर्ड एसी में तत्काल कोटे का टिकट बुक कराने का प्रयास किया। लेकिन उन्हें वेटिंग हाथ लगी।

हाईकोर्ट ने बेसहारा महिला के अंतिम संस्कार की मांगी जानकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। बलरामपुर अस्पताल से संदिग्ध हालात में मुक्त किए जाने के बाद बेसहारा महिला उषा देवी की मौत हो गई थी। अब हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने उषा देवी के अंतिम संस्कार की जानकारी मांगी है। सरकारी वकील को मामले में सरकार से पूरी जानकारी लेकर पांच मार्च को पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता की जनहित याचिका पर दिया।

वरमाला पड़ी सात फेरे लिए, अचानक कुल देवता पर अटकी बात

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां विदाई से पहले कुल देवता के अलग होने की बात कहकर लड़की वालों ने शादी तोड़ दी। बातचीत में वर–वधू पक्ष के कुल देवता अलग–अलग होने का पता चला तो विदाई से पहले रिश्ता खत्म हो गया। मामला थाने तक पहुंचा। पंचायत बैठाई गई। लेकिन, आखिरकार शादी नहीं जुड़ पाई। मामला सफदरगंज थाना क्षेत्र के रुदौली गांव का है। गांव निवासी गिरधारी की बेटी रंजना की शादी असंद्रा क्षेत्र के तेलमा मजरे पारा इब्राहिम गांव निवासी गंगाराम रावत के बेटे आशीष कुमार से तय हुई थी। रविवार को बरात धूमधाम से आई, बरातियों का जोरदार स्वागत हुआ, जयमाल के बाद सात फेरे भी संपन्न हो गए। लेकिन सोमवार सुबह जब विदाई की बारी आई, तो हंगामा मच गया। विदाई से ठीक पहले किसी ने ध्यान दिलाया कि दोनों परिवारों के कुल देवता अलग–अलग हैं। यह सुनते ही वधू पक्ष के लोग नाराज हो गए। रंजना के मामा रामनेवाज का कहना था कि वर पक्ष ने इस जानकारी को छुपाया और धोखा दिया। उन्होंने शादी तोड़ने का एलान कर दिया और खर्च की भरपाई की मांग की। मामला बढ़ता देख दोनों पक्ष थाने पहुंचे। वर पक्ष ने आरोप लगाया कि वधू पक्ष ने जेवर हड़प लिए हैं, जबकि वधू पक्ष ने शादी से हुए खर्च की भरपाई की मांग रखी।

संक्षिप्त समाचार

प्लॉट दिलाने के नाम पर बिल्डर ने 45 लाख ठगे

लखनऊ, (संवाददाता)। कृष्णानगर के इंद्रलोक कॉलानी में रहने वाले राजेश कुमार पांडेय ने पीजीआई थाने में बिल्डर आसिफ सिद्दीकी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि नोएडा में प्लॉट दिलाने के नाम पर आरोपी ने उनसे 45 लाख रुपये लेकर हड़प लिए। पीड़ित का कहना है कि गुड़गांव निवासी दोस्त सुमित कुमार के जरिये उनकी मुलाकात आसिफ से हुई थी। आरोप है कि आसिफ ने उनसे नोएडा के नगला नारायण सिंह कलौली बांगर में सस्ता प्लॉट दिलाने की बात कही थी। प्लॉट देखकर पीड़ित ने अगस्त 2022 में एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कर दिया था। गवाही में कृष्णानगर के मनीष यादव और मुजफ्फरनगर के राजू ने हस्ताक्षर किए थे। राजेश ने एग्रीमेंट के बाद 20 लाख कैश और 10 व 15 लाख के दो चेक दिए थे। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोमती नदी पर पक्का पुल के निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमती नदी पर दो साल की उठापटक के बाद सोमवार से नया पक्का पुल बनाने का काम शुरू हो गया है। पहले दिन नदी और उसके किनारे बनने वाले पिलर के लिए सरिया के बीम बनाने का कार्य शुरू हो गया है। सेतु निगम के अफसरों ने बताया कि सोमवार से पक्का पुल निर्माण के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। पुल की लंबाई करीब 250 मीटर होगी। इसकी डिजायन भी पुराने पुल जैसी ही होगी। लगभग 92 करोड़ रुपये की लागत से इस पुल का निर्माण एक साल में पूरा होने की उम्मीद है।

हथियार बंद दबंगों ने गन्ने की फसल को ट्रैक्टर से जोतवाया

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के जरवल रोड़ के अहाता गांव में भूमि पर कब्जे को लेकर सौ से अधिक लोगों ने एक किसान के खेत पर हमला बोल दिया। इस मौके पर खेत में लगी फसल को जोत दिया। इस मामले में पुलिस ने 113 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। इसमें 13 नामजद व सौ का नाम अज्ञात में दर्ज किया गया है। जरवल रोड थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अहाता निवासी जगत राम गांव में ही गाटा संख्या 720 ख के संक्रमणीय भूमिधर काश्तकार हैं। थाने में तहरीर देकर जगत राम का कहना है कि गांव निवासी जगमोहन, केशव राम, राम तेज, मिल्की राम, हरिश्चंद्र निवासी रतनपुर बाराबंकी, अहाता गांव निवासी रामफेरे, धर्मदास, धर्मराज, अयोध्या, कंधई के साथ सौ अन्य अज्ञात लोगों ने उसके मकान और खेत में धावा बोल दिया। खेत में लगी गन्ने की फसल को ट्रैक्टर से जोतवा डाला। कुछ पेड़ भी नष्ट कर दिए। घटना के संबंध में थानाध्यक्ष बृजराज प्रसाद ने बताया कि जगत राम की तहरीर पर ग्राम प्रधान के दो पुत्रों समेत 13 नामजद और 100 अज्ञात के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

लोन नदी में उतराती मिली लापता युवक की लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में लापता युवक का शव मंगलवार की सुबह लोन नदी में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। शव को नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिवारीजनों ने हत्या करके शव नदी में फेंके जाने की बात कही। शव लालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे दिरगज मजरे लालूमऊ गांव के पास मिला।

वरमाला पड़ी सात फेरे लिए, अचानक कुल देवता पर अटकी बात

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां विदाई से पहले कुल देवता के अलग होने की बात कहकर लड़की वालों ने शादी तोड़ दी। बातचीत में वर–वधू पक्ष के कुल देवता अलग–अलग होने का पता चला तो विदाई से पहले रिश्ता खत्म हो गया। मामला थाने तक पहुंचा। पंचायत बैठाई गई। लेकिन, आखिरकार शादी नहीं जुड़ पाई। मामला सफदरगंज थाना क्षेत्र के रुदौली गांव का है। गांव निवासी गिरधारी की बेटी रंजना की शादी असंद्रा क्षेत्र के तेलमा मजरे पारा इब्राहिम गांव निवासी गंगाराम रावत के बेटे आशीष कुमार से तय हुई थी। रविवार को बरात धूमधाम से आई, बरातियों का जोरदार स्वागत हुआ, जयमाल के बाद सात फेरे भी संपन्न हो गए। लेकिन सोमवार सुबह जब विदाई की बारी आई, तो हंगामा मच गया। विदाई से ठीक पहले किसी ने ध्यान दिलाया कि दोनों परिवारों के कुल देवता अलग–अलग हैं। यह सुनते ही वधू पक्ष के लोग नाराज हो गए। रंजना के मामा रामनेवाज का कहना था कि वर पक्ष ने इस जानकारी को छुपाया और धोखा दिया। उन्होंने शादी तोड़ने का एलान कर दिया और खर्च की भरपाई की मांग की। मामला बढ़ता देख दोनों पक्ष थाने पहुंचे। वर पक्ष ने आरोप लगाया कि वधू पक्ष ने जेवर हड़प लिए हैं, जबकि वधू पक्ष ने शादी से हुए खर्च की भरपाई की मांग रखी। पूरे दिन थाने में पंचायत चलती रही। आखिरकार, वर–वधू दोनों ने सहमति जताई और शादी को रद्द कर दिया। एसएचओ सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से शादी न करने का फैसला किया है। इस घटना की इलाके में खूब चर्चा रही। जहां सात फेरे होने के बाद भी देवता अलग होने की वजह से शादी का बंधन टूट गया। बैंड–बाजे के साथ धूमधाम से पहुंची बरात को बिना दुल्हन के ही वापस लौटना पड़ा।

120 प्रमुख शिवालयों में होगी त्रिशूल की स्थापना

लखनऊ, (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद की ओर से भगवा त्रिशूल यात्रा महाकुंभ से होते हुए अयोध्या के रास्ते सोमवार को लखनऊ पहुंची। इस अवसर पर परिषद ने गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में महाकुंभ के सफल आयोजन के परिप्रेक्ष्य में मंदिर प्रबंधकों व पदाधिकारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया। परिषद के कार्यकारी अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि भगवा त्रिशूल यात्रा का उद्देश्य भारत के 120 प्रमुख शिवालयों में त्रिशूल प्रतिष्ठित करना है, जिससे मंदिरों का आधुनिकीकरण और सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो सके। राजेश यादव ने कहा कि भगवा त्रिशूल यात्रा को अपार समर्थन मिल रहा है। यात्रा का इंदिरा नहर, बीबीडी चौराहा, चिनहट चौराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा, हुसड़िया चौराहा सहित अनेक स्थानों पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। राजेश यादव ने कहा कि यह यात्रा हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की शक्ति को दर्शाती है। इसके माध्यम से मंदिरों को डिजिटल बुकिंग, लाइव दर्शन, धार्मिक पर्यटन और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय महामंत्री दीप सिहाग सिसाय ने कहा कि भगवा त्रिशूल यात्रा केवल शिवालयों तक सीमित नहीं, बल्कि यह सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना का संकल्प है। हमारा प्रयास है कि मंदिरों को न केवल आस्था के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, बल्कि उन्हें आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जागरण के प्रेरणास्रोत के रूप में भी स्थापित किया जाए। आभार समारोह में प्रतिष्ठित संतों, मंदिर प्रबंधकों और धर्माचार्यों की उपस्थिति रही। भाजपा एमएलसी संतोष सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा, डॉ. केपी मल्ल, भारत सिंह, विशाल शाही, राजेश्वर सिंह, सर्वजीत चौहान, प्रशांत श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, साकेत वर्मा, शैलेन्द्र वर्मा व संघ के विभाग कार्यवाह अमितेश आदि मौजूद रहे। भगवा त्रिशूल यात्रा के आगमन पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्युपिटर हॉल में मशहूर भजन गायक कन्हैया मित्तल के गीतों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। उन्होंने मैं हूं रामजी का रामजी मेरे..., आयो जी आयो..., भारत की बेटी भारत पे वार दे तू... और लेता हूं सदा एक ही नाम जय श्रीराम... जैसे गीत सुनाकर माहौल को भक्तिमय रंग में रंग दिया। इसके बाद जब उन्होंने सुनाया कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे... तो पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। उन्होंने खाटू श्याम बाबा के भजन भी सुनाए।

धर्म बदलने के लिए 20... तो शादी कराने पर 15 हजार, हर काम का दाम तय

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मिशनरियों के मिशन मुस्लिम में हर काम के लिए धनराशि तय है। पूरे परिवार का धर्मांतरण कराने वाले को 20 हजार तो धर्म बदलने वाले युवक से शादी कराने पर 15 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इस काम में करने का लालच देकर लोगों को प्रार्थना सभा में लाना है। मिशनरियों ने हर वर्ग के अनुसार प्रचारक नियुक्त किया है, जिससे उन्हें समझाने और धर्मांतरण के लिए राजी करने में आसानी होती है। यह पूरा अभियान प्रचार, पास्टर और पादरी के मध्यम

कुछ चर्चित स्कूल और प्रतिष्ठित संस्थान हवाला एजेंट के रूप में कार्य करते हुए मिशनरियों तक मोटी धनराशि पहुंचा रहे हैं, जिसका उपयोग धर्मांतरण में किया जा रहा है। इसके लिए गांव स्तर पर प्रचारक नियुक्त किए गए हैं। प्रचारक का काम आर्थिक परेशानी और बीमारी को दूर से चल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार इन्हें कुछ चर्चों से भी पैसे मिलने की जानकारी सामने आई है। आईबी के पूर्व अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि धर्मातरण के पूरे जाल को समझने के लिए जोशुआ प्रोजेक्ट की वेबसाइट को देखना होगा। अध्ययन के नाम पर धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में पंजाब मॉडल पर धर्मांतरण की आशंका सच साबित होने लगी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार श्रावस्ती के इकौना क्षेत्र में रविवार को धर्मांतरण के प्रयास में जिस हरीश सिंह के शामिल होने की बात सामने आई है, उसने पंजाब में करीब पांच वर्ष पहले ही धर्म बदल लिया है। वहां से गांव लौटा तो झोपड़ी में ही हर रविवार को प्रार्थना सभा आयोजित से गायब हो गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने शिकंजा कसा तो वह घर से गायब हो गया। एसपी घनश्याम चौरसिया के अनुसार मामले की जांच के लिए सीओ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। नेपाल सीमा से सटे देवीपाटन मंडल के संवेदनशील श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर और गोंडा में धर्मांतरण के मामले में पुलिस सक्रिय हुई है। पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक ने बताया कि चारों जिलों के एसपी से कहा गया है । कि धर्मांतरण के मामले पर नजर रखें और त्वरित कार्रवाई करें। संदिग्ध लोगों का विवरण तैयार करें।

पान खाकर सदन पहुंचे माननीय ने प्रवेश द्वार पर मार दी पिचकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान चर्चा की गई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा की गरिमा और स्वच्छता बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। साथ ही एक अनुशासनहीन घटना पर नाराजगी जताई। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला थूके जाने की सूचना मिली। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने तत्काल पहुंचकर सफाई कराई। इस व्यवहार की भर्त्सना की। इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने

कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है। परंतु किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की है कि यदि भविष्य में किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें। विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें। महाना ने यह भी कहा कि जिसने यह कार्य किया है।

दुष्कर्म के आरोपी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को लखनऊ ले गई पुलिस

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में जिला कारागार में दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद सांसद राकेश राठौर को मंगलवार को लखनऊ ले जाया गया। वहां विधि विज्ञान प्रयोगशाला में उनका वॉयस सैम्पल लिया जाएगा। सांसद को एक बोलेरो में विवेचक अनूप शुक्ला लखनऊ लेकर गए हैं। बता दें कि सांसद पर 17 जनवरी को दुष्कर्म का केस दर्ज होने के बाद एक ऑडियो वायरल हुआ था। दावा था कि उसमें पीड़िता और सांसद की आवाज है। सांसद ने यह स्वीकार कर लिया था कि आवाज उनकी ही है। इसके बाद भी सीजेएम कोर्ट ने उनके अधिवक्ता को सैंपल कराने को कहा था। मंगलवार को पुलिस लाइन से पुलिस बल मुहैया कराया गया।

अयोध्या की रंगभरी एकादशी 10 मार्च को

अयोध्या (रिपोर्टर) वीरेंद्र गुप्ता। अयोध्या की प्रसिद्ध रंगभरी एकादशी 10 मार्च से शुरू होगी। इसी के साथ होली का पर्व शुरू हो जाएगा। रंगभरी एकादशी पर अयोध्या के विभिन्न मंदिरों व हनुमानगढी मंदिर से साधुओं व नागाओं का जुलूस निकाला जाएगा। यह पंचकोसी परिक्रमा मार्ग स्थित मिश्रित आबादी के क्षेत्र हैबतपुर, हलकारा का पुरवा, टेढी बाजार, दोराही कुआं, कटरा होते हुए अबीर–गुलाल खेलते हुए भ्रमण करके हनुमानगढी मंदिर पर पांच बजे समाप्त होगा। इसी दिन नगर नाका हनुमानगढ़ी महन्त रामदास की देखरेख में फतेहगंज स्थित राम जानकी मन्दिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो नाका, मकबरा होते हुए नाका हनुमानगढ़ी पहुंचकर समाप्त होगी। सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम होगा। जिला मजिस्ट्रेट चंद्र विजय सिंह ने पर्व के अवसर पर लोक शान्ति व कानून व्यवस्था और साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए सतर्क दृष्टि रखने का निर्देश दिया है। सभी अधिकारी ध्क्षेत्रीय मजिस्ट्रेटों को पर्व के पूर्व से ही अपने–अपने क्षेत्र का भ्रमण करने, किसी स्थान पर – तनाव अथवा अन्य विवाद होने पर समाधान कराने का निर्देश दिया है।

कामाख्या धाम महोत्सव में कल उद्घाटन के दिन शिरकत करेंगी अपर्णा यादव

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। मां कामाख्या धाम महोत्सव का आगाज कल से, 6 मार्च से 12 मार्च तक होगा सात दिवसीय मां कामाख्या धाम महोत्सव का आयोजन, कल उद्घाटन के दिन राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव दुरदुरिया कार्यक्रम में शरीक होगी । कल ही भोजपुरी के सुपरस्टार गायक अभिनेता पवन सिंह भी अपना जलवा बिखेरेंगे , महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता कवि सम्मेलन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव महोत्सव का आयोजन कराएंगे।

शिवपाल की चार साल की समस्या चार मिनट में हुई दूर

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज माधोगंज विकास खण्ड के गौतरा ग्राम के एक बुजुर्ग शिवपाल पुत्र स्व0 रिक्खा जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के सामने पहुँचे और बताया कि उनको चार साल से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिल रही है और किसान सम्मान निधि भी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों से वह कार्यालयों के चक्कर काट रहें जहाँ उनको मृतक

बताया जा रहा है। जिलाधिकारी ने तत्काल जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाकांत पटेल को बुलाया तथा पेंशन के सम्बन्ध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई कर अवगत कराया कि जल्द ही उसे वृद्धावस्था पेंशन जारी हो जाएगी। जिला कृषि अधिकारी ने अवगत कराया कि किसान सम्मान निधि की सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर दी गयी हैं। जल्द ही शिवपाल को किसान सम्मान निधि की किश्त जारी हो जाएगी। शिवपाल को तो जैसे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि इतनी आसानी से उसकी समस्या का समाधान हो जायेगा। उनकी चार साल की समस्या का हल जिलाधिकारी ने मात्र चार मिनट में कर दिया।

मकाऊ में डॉ. एस.पी. सिंह को आइकंस ऑफ हिंदुस्तान अवार्ड

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मकाऊ में 21 फरवरी 2025 को आयोजित एक भव्य समारोह में डॉ. एस. पी. सिंह, सांसद एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज के चेयरमैन, को प्रतिष्ठित श्आइकॉन्स ऑफ हिंदुस्तान अवार्डश से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके शिक्षा, समाज और राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। उनकी ओर से यह सम्मान पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज की

मुख्य प्रशासिका कांति सिंह ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने उनके नेतृत्व और शिक्षण क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सराहना की। यह पुरस्कार न केवल लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज परिवार के लिए गौरव का विषय है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी है। डॉ. एस. पी. सिंह ने अपने संकल्प और प्रतिबद्धता से शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उनका यह सम्मान भारतीय शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने और वैश्विक मंच पर इसे पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरे एल.पी.एस. परिवार ने हर्ष और गर्व व्यक्त किया तथा उनके नेतृत्व में शिक्षा के नए आयाम स्थापित करने के संकल्प को दोहराया।

एसपी नीरज कुमार जादौन ने स्टार लगाकर उज्ज्वल भविष्य के लिए दी बधाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस अधीक्षक जनपद हरदोई व अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी द्वारा पुलिस उपाधीक्षक प्रवीण कुमार यादव के प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत स्टार लगाकर उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। उल्लेखनीय है कि पुलिस उपाधीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने अपनी आदर्श कार्य संस्कृति विकसित की है और त्वरित कार्यवाही के लिए जाने जाते हैं।

अयोध्या उपजिलाधिकारी सदर विकाश दुबे और खाद सुरक्षा टीम ने पुरानी सब्जी मंडी में डाला छापा एक दुकान सीज 2 को तत्काल हटाने के निर्देश

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार । अयोध्या उपजिलाधिकारी सदर ने नगर निगम को निर्देश दिया कि शहर में सभी अवैध दुकानों को जांच करो या गलत होने पर कार्यवाही की करो, खाद्य सुरक्षा विभाग और एसडीम सदर ने संयुक्त रूप से फतेहगंज क्षेत्र स्थित मीट की कई दुकानो पर छापा मारा। शहर के पुरानी शब्जी मंडी में चल रही अवैध मांश की एक दुकान को सीज कर दिया वही 2 दुकानों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है वही उपजिलाधिकारी सदर ने बताया अभी कुछ दिनों तक ये अभियान चलाया जाएगा, ऐसी अवैध दुकानों से जनता परेशान हो रही है।

अयोध्या राम मंदिर पर हमले की फिराक में हरियाणा के फरीदाबाद से पकड़े गए संदिग्ध आतंकी शिव प्रशासन हुआ अलर्ट

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या रामलला की सुरक्षा को लेकर राम जन्मभूमि प्रशासन अलर्ट हो गया है, एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने सभी प्रवेश द्वार और निकास द्वार पर सघन चेकिंग अभियान चलाया है,राम जन्मभूमि परिसर के आसपास भी खड़े हुए लोगों से पूछताछ की जा रही है, अनावश्यक रूप से खड़े लोगों की तलाशी ली जा रही है, सुरक्षा को लेकर के व्यापक स्तर पर सावधानी बरती जा रही हैं , राम जन्मभूमि परिसर में सभी सुरक्षा वालों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया , एसपी सुरक्षा स्वयं राम जन्मभूमि के क्रॉसिंग टू राम जन्मभूमि का दर्शन मार्ग,अमावा मंदिर, गेट नंबर 3 और अंगद टीला निकास द्वार के साथ वेद मंदिर क्रॉसिंग पर भी जांच की जा रही है, मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों को मुस्तैद रहने के लिए निर्देश दिए गए।

गौ सेवक को दीवान ने पट्टे से पीटा, पुलिस अधीक्षक ने दीवान को किया लाइन हाजिर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद पुलिस इन दिनों लगातार सुर्खियों में है ।कही गाड़ी वाले से पैसा लेते हुए तो कही नशे में धुत होकर गाड़ी चेकिंग करने के कारण ।ताजा मामला मंगलवा का है जब जलालपुर थाना परिसर में एक दीवान द्वारा गौरक्षक की पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि थाने के अंदर दीवान ने पट्टे से गौरक्षक की पिटाई की, जिससे उसकी पीठ पर लाल चकत्ते पड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही गौरक्षक संगठन के अन्य पदाधिकारी थाने पर पहुँच गए और विरोध प्रदर्शन किया।

मामले की सूचना उच्चाधिकारियों तक पहुँचने पर तत्काल दीवान को लाइन हाजिर कर दिया गया, लेकिन संगठन के लोग इससे संतुष्ट नहीं हैं और दीवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की माँग कर रहे हैं। पीड़ित ने संतोष यादव ने बताया कि वो विश्व हिंदू परिषद में शह युवा प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं और गौ रखा विभाग देखता हूं हमे सूचना मिली थी कि कुछ लोग एक पिकअप वाहन में गायों को लादकर वध के लिए ले जा रहे हैं। इस पर हमने बक्शा थाना से पीछा किया और गौरक्षकों के साथ मिलकर हमने जलालपुर थाना क्षेत्र के हौज टोल प्लाजा के पास वाहन को रोककर पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद वे पुलिस के साथ थाने पहुँचे, जहाँ कथित रूप से एक दीवान नील रतन ने कहा कि एक बार समझौता कर लो इसको छोड़ दो जब हमने इसका विरोध किया तो दीवान ने हमको जमकर थाने परिसर में पीटा है । पिकअप वाहन में दो गायें लदी थीं ।घटना से नाराज गौ सेवक पवन कुमार मिश्रा ने अपने अन्य साथियों के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर मामले से अवगत कराया ।इस पर पुलिस अधीक्षक के आदेश पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उक्त पुलिस कर्मी को लाने हाजिर कर दिया गए। वही इस इस मामले पर थाना प्रभारी निरीक्षक विनीत राय ने बताया कि एक व्यक्ति जबरन दफ्तर में घुसने का प्रयास कर रहा था, जिसे दीवान जी पहचान नहीं पाए और इसी कारण विवाद हुआ। हालाँकि, उच्चाधिकारियों के निर्देश पर दीवान को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

पुरानी पेंशन से अच्छादित शिक्षकों का जीपीएफ कोड एलाट करें डीआईओएस - संजीव चतुर्वेदी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद अयोध्या के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी संजीव चतुर्वेदी ने जिला विद्यालय निरीक्षक अयोध्या डॉ पवन तिवारी से मांग की है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश पर पुरानी पेंशन से अच्छादित होने वाले शिक्षकों का शीघ्र ही जी पी एफ कोड एलाट करें जिससे उन शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलना शुरू हो जाए। ज्ञातव्य हो कि कुछ ही दिनों पूर्व माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र देव ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 1 अप्रैल 2005 से पूर्व के विज्ञापनों से चयनित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिए जाने का आदेश दिया था। इसके लिए पुरानी पेंशन से अच्छादित होने वाले पूरे प्रदेश के माध्यमिक शिक्षकों की एक सूची भी जिले वार जारी कर दी गई है। जिसमे हजारों शिक्षक शामिल किए गए हैं। सूची जारी होने से पुरानी पेंशन का लाभ पाने वाले शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है। यह शिक्षक अब चाहते हैं कि उन्हें शीघ्र अतिशीघ्र पुरानी पेंशन का लाभ मिल जाए। वहीं शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को यह आदेश जारी कर दिया है कि वह ऐसे शिक्षकों जो पहले एनपीएस से अच्छादित थे उसकी जगह इन शिक्षकों को जी पी एफ कोड एलाट करें। लेकिन अभी तक इन शिक्षकों का जीपीएफ कोड एलाट नहीं हुआ है जिससे इन शिक्षकों पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि जीपीएफ कोड एलाट होने पर ही शिक्षकों की कटौती उनके खाते में की जा सकेगी। माध्यमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा मीडिया प्रभारी संजीव चतुर्वेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट)के प्रयास के चलते ही एक अप्रैल 2005 से पूर्व के विज्ञापनों से चयनित शिक्षकों को सरकार ने पुरानी पेंशन देने का ऐलान किया था। इसके बाद पूरे प्रदेश के ऐसे शिक्षकों को जिलेवार चिन्हित किया गया था जिन्हें पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाना था ।बाद में शिक्षा निदेशक माध्यमिक द्वारा ऐसे शिक्षकों की एक सूची भी जारी कर दी गई और आदेश दिया गया है कि ऐसे शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दे दिया जाए और उनका जीपीएफ अकाउंट खुलवाकर उसका कोड एलाट किया जाए जिससे उसमें कटौती शुरू कराई जा सके।

मरीजों के इलाज में बेहतर सेवा प्रदान कर रही एएलएस एंबुलेंस सेवा – सीएमओ

अयोध्या। प्रदेश सरकार मरीजों के इलाज मे बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए निःशुल्क ए एल एस एम्बुलेंस सेवा प्रदान कर रही है ।जिसका लाभ प्रदेश के मरीजों को मिल रहा है ।यह बातें सोमवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मुख्य अतिथि के रुप मे आये सीएमओ डाक्टर कुमार जिला सभागार मे कही ।उन्होंने बताया कि इसका संचालन मेड केयर 365 प्राइवेट लिमिटेड संस्थान द्वारा विगत 4 वर्षों से किया जा रहा है ।बताया कि एएलएस एम्बुलेंस अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है जिसमें वेंटिलेटर, मॉनिटर,सिरिंज पंप इत्यादि उपकरण मौजूद हैं, जो गंभीर मरीजों की जान बचाने हेतु प्रयोग की जाती है ।बताते चले संस्थान द्वारा तैनात ईएमटी और पायलट का दो दिवसीय प्रशिक्षण जिला सभागार में सीएमओ डॉक्टर सुशील कुमार,नोडल एएलएस एम्बुलेंस डॉक्टर दीपक पांडे और डी पी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।दो दिवसीय प्रशिक्षण में मरीजों की त्वरित चिकित्सा प्रदान करने हेतु मेड केयर द्वारा तैनात प्रशिक्षक विकास पाण्डेय ने मरीजों को अस्पताल पहुंचने तक जान बचाने हेतु प्राथमिक उपचार की जानकारी दी ।इस मौके पर बेहतर कार्य करने वाले ईएमटी और चालकों को पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया ।इस प्रशिक्षण शिविर में ऑपरेशन हेड जोगेंद्र सिंह, मंडल प्रबंधक समीर द्विवेदी,एच आर शिवम बाजपेई, मेंटीनेंस सुपरवाइजर अमन शुक्ला मौजूद रहे

सी ओ प्रवीण कुमार यादव को उनका प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत स्टार लगाकर सम्मानित किया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

पुलिस अधीक्षक हरदोई नीरज कुमार जादौन और अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने पुलिस उपाधीक्षक प्रवीण कुमार यादव को उनके प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत स्टार लगाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रवीण कुमार यादव ने अपने प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता का शानदार परिचय दिया है। उन्होंने आगे कहा कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में उनकी जिम्मेदारी अब और बढ़ गई है, और हमें विश्वास है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। डीएसपी प्रवीण कुमार यादव अपनी त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और प्रभावी कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने सेवा काल में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनकी आदर्श कार्यसंस्कृति और जनता के प्रति जवाबदेही ने उन्हें एक कुशल अधिकारी के रूप में स्थापित किया है। इस सम्मान समारोह में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रवीण कुमार यादव को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सपा बूथ अध्यक्ष की हत्या का पुलिस ने किया खुलास, दो गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के परियावा गांव में सोमवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई जब सपा बूथ अध्यक्ष राजेश यादव (50) का शव रात में टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। मृतक के गले पर धारदार हथियार से वार किया गया था ।घटना की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गई ।घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी सिटी अरविंद कुमार वर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे गए। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। राजेश यादव दूध बेचने का काम करते थे और समाजवादी पार्टी में बूथ अध्यक्ष के रूप में सक्रिय थे। एसपी डॉ कौस्तुभ ने बताया कि एक युवक राहुल यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही हत्या का पर्दाफाश करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में मंगलवार देर रात घटना को खुलासा करते हुए क्षेत्राधिकार शहर आयुष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य आरोपी राहुल यादव पुत्र उदय राज यादव व इसके सहयोगी मुखबिरी करने वाले किशन यादव को गिरफ्तार किया है। राहुल यादव की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त असलहे को बरामद किया गया है। जल्द ही अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास की जा रहे हैं। सभी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है।

पर ड्राप मोर क्रॉप योजना के तहत स्प्रिंकलर सिंचाई से किसानों को बेहतर परिणाम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पर ड्राप मोर क्रॉपष योजना के तहत स्प्रिंकलर सिंचाई से किसानों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा ने बुधवार को विकास खंड बक्शा और बदलापुर में किसानों द्वारा लगाए गए ड्रिप और मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम का निरीक्षण किया। बदलापुर के मछलीगांव के किसान पवन कुमार पांडेय ने मिनी स्प्रिंकलर से गेहूं की सिंचाई की। उन्होंने वेंचुरी के माध्यम से नैनो यूरिया का प्रयोग भी किया। इससे श्रम और पानी की बचत हुई। नरी बक्शा के किसान जंग बहादुर सिंह ने स्प्रिंकलर पद्धति से गेहूं की सिंचाई की। उनका कहना है कि इससे गेहूं की बालियां लंबी और पौधे स्वस्थ हुए हैं। पारंपरिक फ्लड इरिगेशन की तुलना में स्प्रिंकलर से बेहतर परिणाम मिले हैं। प्रगतिशील किसानों का अनुभव है कि स्प्रिंकलर से न सिर्फ पानी और श्रम की बचत होती है, बल्कि वेंचुरी के जरिए खाद और दवा का छिड़काव भी आसान हो जाता है। इससे फसल की पैदावार बढ़ती है और किसानों की आय दोगुनी होने में मदद मिलती है। वही इस किसानों से मिले सकारात्मक परिणाम को देखते हुए जिला उद्यान अधिकारी ने किसानो से अपील किया कि जो किसान स्प्रिंकलर सिस्टम लगवाना चाहते हैं, वे किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में आधार, खतौनी, फोटो और बैंक पासबुक की फोटोकॉपी के साथ संपर्क कर सकते हैं।

सदस्य गोसेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय की अध्यक्षता में बैठक

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में माननीय सदस्य उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग श्री रमाकांत उपाध्याय की अध्यक्षता में गोवंश संरक्षण एवं अनुश्रवण बैठक हुई। माननीय सदस्य ने कहा कि गाय को आर्थिक क्रियाओं से जोड़ा जाये। जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाये। जैविक भोजन से बीमारियों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि बायो गैस प्लांट की स्थापना की जाये। गोमूत्र का प्रयोग यूरिया के स्थान पर किया जाये जिससे किसानों के उर्वरक व्यय में कमी हो सके।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।